UGC Approved Journal
Research Link
Since March 2002
An International, Registered & Refereed Monthly Journal : Geography
Research Link - 171, Vol - XVII (4), June - 2018, Page No. 40-42
ISSN - 0973-1628 ■ RNI - MPHIN-2002-7041 ■ Impact Factor - 2015 - 2.782

छत्तीसगढ़ के कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक-कालिक विश्लेषण : बेमेतरा जिले का प्रतीक अध्ययन

प्रस्तुत शोधपत्र में छत्तीसगढ़ के कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक-कालिक विश्लेषण, बेमेतरा जिले के संदर्भ में किया गया है। बेमेतरा जिले में विकासखण्ड स्तर ग्रामीण के लिए बाजार केन्द्रों के स्थानिक विवरण प्रतिरुप निकटतम पड़ोसी बिन्दु विधि का प्रयोग अमेरिका पारिस्थिति वैज्ञानिक क्लार्क और इवांस ने 1954 में किया था। नगर अंतरण के परिकलन की यह अधिक लोकप्रिय विधि है, जिसका प्रयोग डेसी ने 1960 तथा किंग ने 1962 में संयुक्त राज्य अमेरिका का चयनित क्षेत्रों में नगरीक प्रतिरुपों की विवेचना में इसी विधि को अपनाया है। सरयुपार मैदान में बाजार केन्द्रों के वितरण प्रारुप को स्पष्ट करने के लिए कुछ प्रचलित निकटतम पड़ोसी बिन्दु विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया (डॉ.हरिओम श्रीवास्तव, 1999)। आजमगढ़ जनपद के आवर्ती बाजार केन्द्रों का वितरण का प्रतिरुप को निकटतम पड़ोसी विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया (यदुनंद प्रसाद)। निकटतम बिन्दु से वास्तविक मध्य दूरी एवं सापेक्षिक मध्य दूरी को ज्ञात कर यादृच्छिकता वितरण से साम्य अथवा विचलन की मात्रा का मान R के मान से प्राप्त किया गया है।

डुमन लाल

प्रस्तावना :

कालिक बाजार केन्द्रों की उत्पत्ति एवं विकास विनमय प्रणाली के माध्यम से क्रेता एवं विक्रेताओं का एक–दूसरे से पारस्परिक विनमय होता है। सामान्यतः बाजार केन्द्रों में वस्तुओं की खपत किसी भी बाजार क्षेत्र के प्रवाह उत्पादन क्षेत्र की ओर होता है। बेमेतरा जिले में विनिमय प्रणाली के माध्यम से वस्तुओं व उपभोक्ताओं को प्राप्त होती है। कालिक बाजार केन्द्रों के उत्पत्ति एवं विकास परिवहन साधन का भी उपयोग दान महत्वपूर्ण होती है। बाजार के विकास सड़क मार्ग के माध्यम प्रमुख है, क्रेता व विक्रेताओं के आवगमन के लिए महत्वपूर्ण होता है। कालिक बाजार केन्द्र विक्रेताओं के लिए रोजगार के लिए व्यापारिक केन्द्र के माध्यम से विक्रेताओं को रोजगार के सहायक मिलती है, विक्रेता स्वयं वस्तुएं उत्पादन तथा मण्डी से वस्तुओं को खरीद कर क्रेताओं की दैनिक एवं रोजमर्रा की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। ग्रामीण क्षेत्र में अधिकांश जनसंख्या अनेक प्रकार की सब्जियों का उत्पादन अपने क्षेत्र में करती है। उसके बाद मण्डी में उचित मूल्य में विनमय कर परिवार जीवन जीकोपार्जन के लिए आर्थिक किया–कलाप करता है। बाजार किसी निर्धारित स्थल पर वस्तुओं के क्रेताओं और विक्रेताओं का नियमित समयान्तराल पर एक अधिकृत जनसमूह होता है।

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य :

(1) कालिक बाजार केन्द्रों के स्थानिक एवं कालिक संगठन का अध्ययन करना।

(2) विक्रेताओं तथा क्रेताओं के व्यवहार का प्रतिरूप अध्ययन करना।

आंकड़ों का स्रोत : प्रस्तुत अध्ययन प्राथमिक आंकड़ों पर आधारित है। बेमेमरा जिलों में ग्रामीण कालिक बाजारों का अध्ययन किया गया है, जिसमें बेमेतरा, बेरला, साजा, नवागढ़ विकासखण्ड को अध्ययन क्षेत्र के लिए चुना गया है। जिसमें 13 बाजार केन्द्रों को लिया गया है।

विधि तंत्र : कालिक बाजार का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया। बाजार केन्द्रों के आधार पर क्रेता एवं विक्रेताओं व्यवहार प्रतिरूप, निकटतम पड़ौसी विश्लेषण विधि, सामयिकता।

अध्ययन क्षेत्र : प्रस्तुत अध्ययन में छत्तीसगढ़ राज्य के नवनिर्मित बेमेतरा जिला से संबंधित है, जो 1 जनवरी 2012 को जिले के रूप में अस्तित्व में आया है। बेमेतरा जिला छत्तीसगढ़ के पश्चिम एवं दुर्ग जिला के उत्तर में स्थित है। बेमेतरा जिला 2854.81 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में विस्तृत है। बेमेतरा जिले की कुल जनसंख्या 795334 है। इसका विस्तार $20^0 03'$ से $21^0 31'$ उत्तरी अक्षांश एवं $81^0 13'$ से $81^0 94'$ पूर्वी देशांतर तक प्रशासनिक रूप से यह जिला 5 तहसीलों (नवागढ़, बेमेतरा, बेरला, साजा, थानखम्हरिया) एवं विकासखण्डों (नवागढ़, बेमेतरा, बेरला, साजा,) में विभक्त है।

ग्रामीण कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक वितरण का प्रतिरूप :

बेमेतरा जिले में विकासखण्ड स्तर ग्रामीण के लिए बाजार केन्द्रों के स्थानिक विवरण प्रतिरूप निकटतम पडोसी बिन्दु विधि का प्रयोग अमेरिका पारिस्थिति वैज्ञानिकों क्लार्क और इवांस ने 1954 में किया गया था। नगर–अंतरण के परिकलन की यह अधिक लोकप्रिय विधि है। जिसका प्रयोग डेसी ने 1960 तथा किंग ने 1962 में संयुक्त

शोधछात्र, भूगोल अध्ययनशाला, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

राज्य अमेरिका का चयनित क्षेत्रों में नगरीय प्रतिरूपों की विवेचना में इसी विधि को अपनाया गया है। सरयुपार मैदान में बाजार केन्द्रों के वितरण प्रारूप को स्पष्ट करने के लिए कुछ प्रचलित निकटतम पड़ोसी बिन्दु विश्लेषण विधि का प्रयोग किया (डॉ. हरिओम श्रीवास्तव 1999)। आजमगढ़ जनपद के आवर्ती बाजार केन्द्रों का वितरण का प्रतिरूप को निकटतम पड़ोसी विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है (यनुनंद प्रसाद)। निकटतम बिन्दु से वास्तविक मध्य दूरी एवं सापेक्षिक मध्य दूरी को ज्ञात कर यादृच्छिकता वितरण से साम्य अथवा विचलन की मात्रा का मान R के मान से प्राप्त किया गया है। बेमेतरा जिला के कालिक बाजारों केन्द्रों के वितरण प्रतिरूप के लिए, प्रयुक्त विधि के अनुसार सूत्रों का प्रयोग किया गया है।

निकटतम पड़ोसी का वास्तविक मध्य दूरी Rn = rA/rE

जिसमें R अथवा Rn मान है, जो यादृच्छिकता से विचलन की मात्रा को निकटतम बिन्दुओं के दूरी के परिक्षेत्र में दर्शाता है।

Rn = वास्तविक औसत दूरी

RE= वितरण प्रतिरूप अपेक्षित औसत दूरी

निकटतम पड़ोसी वास्तविक औसत दूरी rA = r /N

r = +निकटतम पड़ोसी दूरियों का योग

N= +कुल कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या

(re) निकटतम पड़ोसी आपेक्षित दूरियों का औसत

re= 1/N/A

A= कुल क्षेत्रफल

N= कुल कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या

यादृच्छिकता का मान R= rA/rE

यादृच्छिकता वितरण होने पर R=1 होता है। ग्रांधित वितरण होने पर R=0 2.1493 होता है। अतः यादृच्छिकता का परास 0 से 2.1493 के मध्यम होता है।

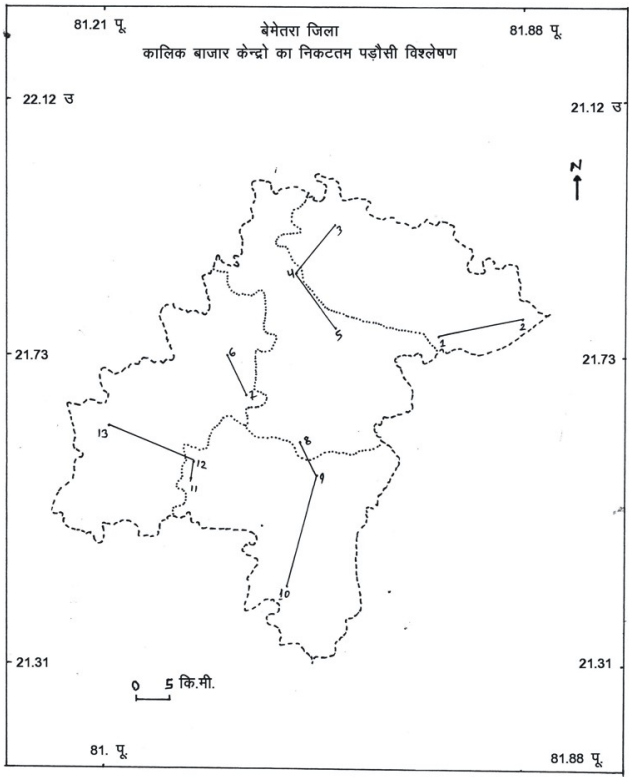

दिन की संख्या के आधार पर किया गया है। सरयूपार मैदान में पाये जाने वाले कालिक बाजारों के आधार पर तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है (डॉ. हरिओम श्रीवास्तव 1999)। अवस्थिति का कालिक सामयिक बाजारों आवर्ती बाजार केन्द्रों बेमेतरा जिला में कालिक बाजार केन्द्रों को सप्ताह में लगाने के दिनों की संख्या के आधार दो प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है।

(1) साप्ताहिक बाजार केन्द्र,

(2) द्विसाप्ताहिक बाजार केन्द्र।

तालिका क्रमांक 1 : बेमेतरा जिला के कालिक बाजार केन्द्रों का निकटतम पड़ोसी विश्लेषण

क्र.	विकासखण्ड	कालिक बाजार केन्द्रों की संख्या	Σdi (कि.मी.)	A (कि.मी)	rA (कि.मी)	rE (कि.मी)	Rn
1	बेरला	4	40	777.18	10	6.96	1.149
2	बेमेतरा	3	35.5	739.61	11.66	7.85	1.485
3	साजा	3	35.5	728.61	11.83	7.79	1.518
4	नवागढ	3	42.5	624.98	14.16	7.215	2.056
कुल योग		**13**	**158**	**28.7036**	**11.76**	**7.29**	**1.613**

बेमेतरा जिले के कालिक बाजार केन्द्रों के निकटतम पड़ोसी विश्लेषण मूल्य (1.613) यादृच्छिक से सम प्रतिरूप की निकटता को दर्शाता है। कालिक बाजार इंदौर जिला 1.038 (रेणु त्रिपाठी 1999) तथा सरयुपार मैदान के यादृच्छिकता से विचलन का माप 1.481 है, जो प्रदेश बाजार केन्द्रों के समप्राप वितरण प्रारूप को बतलाया है। बेमेतरा जिला में बाजार केन्द्रों का विवरण प्रतिरूप समप्राय है। वितरण प्रतिरूप को दर्शाया बेमेतरा जिला के अन्य विकासखण्ड बेरला (1.449), बेमेतरा (1.485), साजा (1.518) तथा नवागढ़ (2. 056) कालिक बाजारों का वितरण समप्राय प्रारूप को दर्शाता है।

सामयिकता :

बेमेतरा जिला साप्ताहिक एवं द्वि–साप्ताहिक कालिक बाजारों

(अ) साप्ताहिक बाजार केन्द्र : बेमेतरा जिला के चयनित साप्ताहिक बाजार केन्द्र, अमलीडीह, झाल, कुरूदा, नरी, खानों, खिसोरा, कोरबा, जेवरी, कोदवा, लगते है। बेमेतरा जिला में साप्ताहिक बाजारों केन्द्रों की संख्या 9 तथा साप्ताहिक बाजार केन्द्रों बेमेतरा जिला में 69.23 प्रतिशत है। जिले में साप्ताहिक बाजार केन्द्रों का वितरण असमान है।

तालिका क्रमांक 2 : बेमेतरा जिला : बाजार केन्द्रों की आवृत्ति

क्र.	विकासखण्ड	बाजार केन्द्रों की कुल संख्या	साप्ताहिक	द्वि–साप्ताहिक
1	बेरला	4	2	2
2	बेमेतरा	3	3	0
3	साजा	3	2	1
4	नवागढ़	3	2	1
कुल		**13**	**9**	**4**
प्रतिशत		**100**	**69.23%**	**30.7%**

(ब) द्वि–साप्ताहिक बाजार केन्द्र : साप्ताहिक बाजार

केन्द्र सात दिनों में साप्ताहिक में दो दिन बाजार लगते हैं। इन केन्द्रों में प्रत्येक सप्ताह में एक दो तथा तीन दिनों के अंतराल में दो दिन अस्थायी विक्रेताओं एवं क्रेता का एकीकरण होता है। बेमेतरा जिला में हसदा (रविवार शुक्रकवार) बीजागोड (रविवार एवं शुक्रवार), सरदा (सोमवार एवं शुक्रेवार) मगरघटा (रविवार एवं शुक्रवार) साप्ताहिक बाजार केन्द्र लगते है। कालिक बाजारों की संख्या 4 तथा उसका बाजार केन्द्रों का 30.7 प्रतिशत है।

कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक–कालिक समाकलन :

बेमेतरा जिला का कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक कालिक समाकलन समान दिवस, समीपवर्ती दिवस, एक दिन अंतराल तथा दो दिन अंतराल के आधार पर मापक किया गया है।

तालिका क्रमांक 3 : बेमेतरा जिला : कालिक बाजार केन्द्रों का स्थानिक–कालिक समाकलन

क्र.	कालिक पृथक्करण (दिनों में)	स्थानिक पृथक्करण (कि.मी. में)
1	समान दिवस	28
2	समीपवर्ती दिवस	19.8
3	एक दिन अंतराल	16.09
4	दो दिन अंतराल	16.60
कालिक बाजारों की संख्या		**1 = -0.73**

स्थानिक तथा कालिक दूरियों के मध्य मात्रात्मक संबंध मापने के लिए कार्य के सह संबंध का प्रयोग किया है। मूल्य –0.73 है, बेमेतरा जिला में स्थानिक कालिक दूरियों के मध्य उच्च नकारात्मक सह–संबंध को दर्शाता है। अतः यह परिकल्पना के स्थानिक कालिक दूरियों के मध्य निम्न संबंध है। बेमेतरा जिला में कालिक बाजार केन्द्रों पर संगठन में समान दिवस (28.22) समीपवर्ती दिवस, (19. 8) एक दिन अंतराल (16.04) तथा दो दिन का अंतराल (19.60) स्थानिक कालिक दूरियां है। कालिक बाजार समान दिवस में दिनों आवर्तिता अधिक है। कालिक बाजार समान दिवस में दिनों आवर्तिता अधिक है। कालिक बाजार केन्द्रों में जैसे –जैसे दिनों का अंतराल बढ़ता है, स्थानिक दूरियां कम होती है। कालिक बाजारों केन्द्रों का स्थानिक दूरी के मध्य विलोम संबंध है। कालिक दूरियों दूरी बढ़ने के साथ–साथ स्थानिक इसे कम होती है। अथवा स्थानिक दूरी अधिक होने के साथ–साथ कालिक दूरी कम होती जाती है।

संदर्भ :

(1) श्रीवास्तव, वी.के.एवं (1996) : विपणन भूगोल, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल।

***(2)** दीक्षित, रामस्वरूप व श्रीवास्तव, हरिओम (1988) : विपणन भूगोल सरयूपार मैदान (उत्तरप्रदेश) का प्रतीक अध्ययन, एसोसिएशन ऑफ मार्केटिंग ज्याग्रफर्स ऑफ इण्डिया (ए.एम.जी.आई.), गोरखपुर।*

***(3)** प्रसाद, यदुनंदन (2004) : आजमगढ़ जनपद के आवर्ती विपणन केन्द्रों का भू–वैन्यासिक प्रतिरूप', उत्तर भारत भूगोलपत्रिका, अंक–40, पृष्ठ क्र. 18–24.*

***(4)** त्रिवेदी, रेणु (1997) : विपणन भूगोल, यूनीवरसिटी बुक हाऊस प्रा.लि. जयपुर।*

❁ ❁